शेख़ फ़रीद – सबद ८५

फरीदा भूमि रंगावली मंझि विसूला बाग ॥

सलोक, गुरु अर्जन, गुरु ग्रंथ साहिब, १३८२

फरीदा भूमि रंगावली मंझि विसूला बाग ॥
जो जन पीरि निवाजिआ तिंन्हा अंच न लाग ॥८२॥

सार: भौतिक अस्तित्व एक विरोधाभास प्रकट करता है, इंद्रियों का संसार सौंदर्य और आनंद से मोहित करता है साथ ही यह लगाव, तुलना और हानि भी लाता है। जो हमारी इंद्रियों को प्रसन्न करता है, वही हमारे मन को उलझा भी सकता है, जैसे कोई चमकता हुआ तालाब आकाश को प्रतिबिंबित करते हुए अपनी भीतरी गहराई और प्रवाह को छिपा लेता है। हमारा दुःख केवल संसार से ही नहीं बल्कि क्षणभंगुर आकर्षण को स्थायी समझ लेने से भी उत्पन्न होता है। क्षणिक वस्तुओं से बंधे रहने से सुंदरता बेचैनी में बदल जाती है। इस प्रकार, इंद्रियों का संसार मोहित भी करता है और विचलित भी, यह सराहना के लिए आमंत्रित करता है और साथ ही हमें इसकी क्षणभंगुरता की याद भी दिलाता है।

फरीदा भूमि रंगावली मंझि विसूला बाग ॥
फ़रीद कहते हैं कि पृथ्वी देखने में सुंदर और रंगीन लगती है पर इसके भीतर विषैले काँटों का बाग भी छिपा है। यह भौतिक अस्तित्व के विरोधाभास को दर्शाता है, इंद्रियों से बोध होने वाली दुनिया सुंदर प्रतीत हो सकती है मगर साथ ही यह नकारात्मकता को छुपाती है जो दुःख का कारण बनती है।

जो जन पीरि निवाजिआ तिंन्हा अंच न लाग ॥८२॥
जो लोग आंतरिक ज्ञान के मार्गदर्शन का सम्मान करते हैं, वह तनाव से अछूते रहते हैं। यह आध्यात्मिक स्पष्टता की सुरक्षात्मक शक्ति को दर्शाता है, जहाँ नकारात्मकता अंतरात्मा में प्रवेश कर, उसको कमज़ोर नहीं कर सकती। (८२)

तत्त्व: गुरु अर्जन, शेख़ फ़रीद की विचारधारा से सहमत होते हुए, आध्यात्मिक स्पष्टता की तुलना एक सुरक्षात्मक शक्ति से करते हैं, सायों की मौजूदगी में भी, यह शक्ति उन्हें दूर रखती है। इसी तरह, स्पष्ट और संतुलित मन क्रोध, छल या द्वेष जैसी नकारात्मकता को जड़ पकड़ने से रोकता है। यह भावनाएँ निकट तो आ सकती हैं लेकिन हमारे मूल में प्रवेश करने के लिए संघर्ष करती हैं। जैसे स्वच्छ जल में कीचड़ नहीं ठहरता, वैसे ही जागरूकता स्वाभाविक रूप से पारदर्शिता की ओर लौट आती है। स्पष्टता हमारी धारणा को बढ़ाती है, हमें अंधकार को हावी होने से पहले ही पहचानने की शक्ति प्रदान करती है।

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com